



# RIMS LAST WEEK E-NEWS

June 09-15, 2024

VOLUME 01 | ISSUE 05





# RIMS LAST WEEK

## E-NEWS

VOLUME 01 | ISSUE 04

### पुलिस की मदद से रिम्स होगा अतिक्रमण मुक्त

रिम्स में ट्रामा सेंटर से लेकर **DIG** ग्राउंड यहाँ तक की डॉक्टर और स्टाफ कॉलोनी में अतिक्रमणकारियों ने कब्ज़ा किया हुआ है। जगह जगह दीवार तोड़ दी गयी है कहीं लोगों ने घर बना लिया है और बाकी बची जगह पर दुकाने सजी हुई हैं। ऐसे में निदेशक प्रो डॉ राज कुमार के नेतृत्व में रिम्स प्रबंधन अपनी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। रिम्स की जमीन पर **148** अतिक्रमणकारियों का कब्ज़ा है जो की काफी चिंताजनक है। इसी सम्बन्ध में रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार ने बड़गाईं अंचल के सर्किल ऑफिसर के साथ इस सप्ताह बैठक की और उन्हें अतिक्रमित जमीन को जल्द से जल्द मुक्त कराने का आग्रह किया है। निदेशक ने सर्किल आफिसर से सभी अतिक्रमण की हुई जमीन को विधि सम्मत खाली कराने का नोटिस भेजने की प्रक्रिया तेज़ करने के लिए कहा है। इस सन्दर्भ में निदेशक की **DGP** से भी चर्चा हुई है। जरूरत पड़ने पर पुलिस और प्रशासन की मदद से रिम्स की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जायेगा।



# RIMS LAST WEEK

## E-NEWS

VOLUME 01 | ISSUE 04

### टीबी उन्मूलन के लिए शोध पर कार्य करें : निदेशक

रिम्स में राष्ट्रीय यक्ष्मा (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत स्टेट टीबी टास्क फोर्स झारखंड के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि कई दवाओं के प्रति प्रतिरोध युवा पीढ़ी के लिए इस बीमारी के तौर-तरीकों और उचित जांच का सही से पता लगाना एक चुनौती है। उन्होंने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज से आए प्रतिभागियों को टीबी उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए **2030** तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी।

बैठक में **STF** के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार, राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार, राज्य में कार्य करने वाले टीबी के **WHO** कंसल्टेंट के अलावा विभिन्न मेडिकल कॉलेज से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे।





# RIMS LAST WEEK

## E-NEWS

VOLUME 01 | ISSUE 04

### अग्निशमन विभाग का रिम्स में सुरक्षा ऑडिट

रिम्स प्रबंधन परिसर में अग्नि सुरक्षा को लेकर गंभीर है और यहाँ आग से सम्बंधित कोई भी अप्रिय घटना न घटे इसके लिए कई कदम उठाये जा रहे हैं। पूरे कैंपस में जगह जगह अग्निशमन यंत्र लगाए गए हैं। साथ ही अग्निशमन विभाग के सहयोग से समय समय पर यंत्र को उपयोग की विधि बताने हेतु कर्मचारियों के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त हॉस्पिटल और हेल्थ केयर राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (NABH) के मानकों के अनुरूप रिम्स में मानक संचालन प्रक्रिया विकसित की गयी है जो 1 जून, 2024 से लागू हो गई है। यह मानक संचालन उपाधीक्षक डॉ शैलेन्द्र त्रिपाठी की देखरेख में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर कर रहे छात्रों द्वारा तैयार किया गया है।

वहीं शुक्रवार को अग्निशमन विभाग द्वारा रिम्स में अग्नि सुरक्षा के लिए लगे उपकरणों एवं अन्य व्यवस्था का ऑडिट किया गया। ऑडिट में अग्निशमन विभाग से शैलेन्द्र कुमार, राजेंद्र राम, शिवजी तिर्की, किशोर तिर्की और कुलेश्वर पासवान शामिल थे।





# RIMS LAST WEEK

## E-NEWS

VOLUME 01 | ISSUE 04

### रिम्स की व्यवस्था में सुधार हेतु कदम

दैनिक अखबार में प्रकाशित तस्वीर का संज्ञान लेते हुए प्रबंधन द्वारा विद्युत विभाग से स्पष्टीकरण मांगा गया था। अखबार में प्रकाशित फोटो सर्जरी विभाग के **ICU** के पास के एक्सटेंशन की है जहाँ आईसीयू के बाद मरीजों को अतिरिक्त निगरानी के लिए रखा गया है। सर्जरी **ICU** के पास का यह एक्सटेंशन मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बेड व अन्य आवश्यक उपकरण लगाते हुए किया गया है। वर्तमान में यह एक अस्थायी व्यवस्था है और यहाँ बिजली का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। रिम्स के कई विभागों में बिजली का कार्य चरणबद्ध तरीके से चल रहा है। दीवार पंखों की निविदा की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जरूरत अनुसार सभी विभागों में इसे लगाया जाएगा।

### रिम्स की लचर व्यवस्था : गर्मी से मरीज बेहाल, आईसीयू में पंखा लगाकर खा रहे हवा



फोटो : माणिक बोस

रांची | चिलचिलाती धूप और हीट वेव से जन-जीवन बेहाल है। भीषण गर्मी में राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स की लाचार व्यवस्था से यहां भर्ती मरीजों की स्थिति सबसे खराब है। मरीज पंखा की हवा के लिए तरस रहे हैं। आईसीयू में भर्ती मरीज भी गर्मी से बेहाल हैं। परिजन घर और बाजार से पंखा लाकर मरीज को हवा देने की कवायद में जुटे हैं। इसके बावजूद राहत नहीं मिल रही है, क्योंकि रिम्स में बिजली की आंख मिचौनी जारी है। मरीज के परिजनों ने बताया कि वार्ड में शिकायत सुनने वाला भी कोई नहीं है। अपनी फरियाद लेकर किसके पास जाएं, समझ में नहीं आ रहा है।



# RIMS LAST WEEK

## E-NEWS

VOLUME 01| ISSUE 04

### FACT CHECK

“गोद में नवजात, कंधे पर ऑक्सीजन लेकर दौड़े परिजन” शीर्षक से प्रकाशित खबर तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। बच्चे को 8 जून को रात 11:30 बजे रिम्स के NICU में भर्ती किया गया था। भर्ती के समय बच्चे की हृदय गति कमज़ोर थी और बच्चा सांस नहीं ले रहा था। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक द्वारा फ़ौरन ही बच्चे को ट्यूब के माध्यम से **intubate** किया गया और बैग मास्क वेंटिलेशन (**BMV**) शुरू किया ताकि बच्चा सांस लेना शुरू करे।

शिशु चिकित्सा विभाग के सीनियर चिकित्सक डॉ प्रकाश राम द्वारा बच्चे की स्थिति देखते हुए पूरी निगरानी की गयी थी। इसके पश्चात बच्चे को वेंटीलेटर में शिफ्ट किया गया। बच्चे के परिजन चिकित्सकीय सलाह के विरुद्ध बच्चे को अगले दिन डिस्चार्ज करा कर दूसरे अस्पताल ले गए।



बच्चे को आक्सीजन लगा हुआ है और सिलिंडर लेकर जा रहे स्वजन • जागरण जागरण संवाददाता, रांची : रिम्स में आम आदमी को अपना इलाज कराना आसान नहीं है। रविवार को हजारीबाग टाकुरगांव के बनापीढ़ी निवासी अजय उरांव अपने नवजात शिशु के बेहतर इलाज के लिए रिम्स में पहुंचे। बेटे की स्थिति नाजुक होते चली गई। रविवार को सुबह से लेकर शाम तक डाक्टर तक नहीं मिले। इसके बाद शाम को मजबूरन पूरा परिवार अपने बच्चे को जबरन आनन-फानून में डिस्चार्ज कर दूसरे हॉस्पिटल लेकर चले गए। इस दौरान उन्हें अंत तक कोई स्ट्रेचर नहीं मिला। मजबूरन परिजन अपने गोद में नवजात बच्चे और कंधे पर आक्सीजन को उठाकर चल दिए। रिम्स में समस्याएं खत्म नहीं हो रही हैं।



# RIMS LAST WEEK

## E-NEWS

VOLUME 01 | ISSUE 04

### रक्तदान शिविर का आयोजन

रिम्स और जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (JDA) द्वारा रिम्स के नए शैक्षणिक भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्रों और कई चिकित्सकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और 56 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। रिम्स में 10 से 14 जून तक रक्तदाता सप्ताह मनाया गया।



### छात्रों का भी अब बायोमेट्रिक अटेंडेंस

रिम्स में छात्रों की उपस्थिति सटीक उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सभी लेक्चर थिएटर में 10 बायोमेट्रिक मशीनें लगाई जाएंगी। MBBS, BDS और नर्सिंग के छात्रों को इसी के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। यह मशीनें लगने से प्रॉक्सी उपस्थिति भी कम होगी।

